कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव

हाल ही में सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) की पूर्व संध्या पर कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव नामक एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया।

- अभियान का उद्देश्य 11-14 वर्ष आयु वर्ग की स्कूल न जाने वाली किशोरियों को शिक्षा प्रणाली में वापस लाना है।

अभियान के प्रमुख बिंदु:

- **उद्देश्य:** इस परियोजना का उद्देश्य मौजूदा योजनाओं और कार्यक्रमों जैसे कि **किशोर लड़कियों के लिये योजना (SAG),** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) **और** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के आधार पर स्कूल न जाने वाली लड़कियों के लिये एक संपूर्ण प्रणाली पर कार्य करना है।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** इस अभियान को **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** द्वारा शिक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी में चलाया जा रहा है।
- **कार्यान्वयन:** अभियान मंत्रालयों, विभागों और राज्यों के बीच **अभिसरण एवं समन्वय** पर केंद्रित है।
  - अभियान को **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) योजना** के हिस्से के रूप में लागू किया जाएगा, जिसमें प्राथमिक लाभार्थी 4,00,000 से अधिक स्कूल न जाने वाली किशोरियाँ होंगी।
  - सभी राज्यों के 400 से अधिक ज़िलों को 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना' के तहत ज़मीनी स्तर तक पहुँच और जागरूकता प्रदान करने के लिये समुदायों व परिवारों को स्कूलों में किशोर लड़कियों के नामांकन हेतु जागरूक करने हेतु वित्तपोषित किया जाएगा।
  - इसके अलावा समग्र शिक्षा अभियान और आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं (AWWs) को स्कूल न जाने वाली किशोरियों की काउंसलिंग एवं रेफर करने के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
  - इस अभियान के लिये 'समग्र शिक्षा अभियान' के तहत प्राप्त धन का भी उपयोग किया जाएगा तथा आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं (AWWs) को स्कूल न जाने वाली लड़कियों को रेफर करने के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा।
- **एकत्र डेटा: यह अभियान पोषण, पोषण शिक्षा और कौशल विकास के लिये आँगनवाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के आधार पर स्कूल से बाहर की लड़कियों पर डेटा एकत्र करने का प्रयास करता है।**
- **महत्त्व:** इसके तहत शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) लागू होने के बाद से स्कूली शिक्षा से दूर लड़कियों को शिक्षा प्रणाली में वापस लाना लक्ष्य रखा गया है।
- **आवश्यकता:** इस अभियान की आवश्यकता इसलिये उत्पन्न हुई है क्योंकि किशोर लड़कियों के लिये योजना (Scheme For Adolescent Girls-SAG) जो शुरू में स्कूली शिक्षा तक पहुँच से दूर लड़कियों से संबंधित थी, के प्रति जागरूकता या रुझान देखने को मिल रहा था।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kanya-shiksha-pravesh-utsav